विश्व भूगोल: मरूस्थल, गर्त, जलसंधि

संसार के मरुस्थल

क्रमांक	नाम	स्थान	विवरण
1.	अटाकामा मरुस्थल	दक्षिणी अमेरिका	यह सीमा पेरू और चिली में फैली हुई है, यह एक शुष्क मरुस्थल है जिसमें कई जगहों पर वर्षा नहीं होती है। नाइट्रेट, आयोडीन और बोरेक्स के भंडार पाए जाते हैं।
2.	पेटागोनिया मरुस्थल	दक्षिणी अमेरिका	यह एक समशीतोष्ण मरुस्थल है जो अर्जेंटीना और चिली में फैला है। इस क्षेत्र से तेल और प्राकृतिक गैस निकाली जाती हैं।
3.	सोनोरा मरुस्थल	उत्तरी अमेरिका	यह एक गर्म मरुस्थल है जो संयुक्त राज्य अमेरिका से मेक्सिको तक फैला हुआ है।
4.	सहारा मरुस्थल	उत्तरी अफ्रीका	यह संसार का सबसे बड़ा मरुस्थल है।
5.	नामीबिया मरुस्थल	अफ्रीका	यह नामीबिया पर फैलता है और बेंग्युला की धारा इस मरुस्थल के पश्चिमी छोर पर स्थित है।
6.	कालाहारी मरुस्थल	अफ्रीका	यह एक गर्म मरुस्थल है जो दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और नामीबिया में फैला हुआ है। बुशमैन जनजाति इस क्षेत्र में रहती है।
7.	रूब-अल-खली	अरब	यह संसार का सबसे बड़ा रेतीला मरुस्थल है जो अरब प्रायद्वीप में स्थित है और यमन तक फैला हुआ है। इस मरुस्थल के खानाबदोश लोगों को बेडुइन कहा जाता है।
8.	गोबी मरुस्थल	चीन, मंगोलिया	यह एक शीत मरुस्थल है जहां अधिक सर्दी पड़ती है, इसलिए यह कम आबादी वाला क्षेत्र है।

9.	ग्रेट विक्टोरिया मरुस्थल	ऑस्ट्रेलिया	यह ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण और पश्चिमी भागों में फैला है और इसमें लौह अयस्क, सोना, तांबा, प्राकृतिक गैस के भंडार हैं।
10.	सिंपसन मरुस्थल	ऑस्ट्रेलिया	यह मध्य ऑस्ट्रेलिया में स्थित एक गर्म मरुस्थल है।

संसार के प्रमुख गर्त और जलडमरूमध्य

एल्यूशियन गर्त: यह उत्तरी प्रशांत महासागर में स्थित एक गहरी खाई है और एल्यूशियन द्वीप के दक्षिण में स्थित है। यहां कई सक्रिय ज्वालामुखी पाए जाते हैं और यह भूकंप की अधिकता वाला क्षेत्र है।

मेरियाना गर्त (ट्रेंच): पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित यह संसार में सबसे गहरा महासागरीय गर्त है। इसका गहराई वाला भाग 'चैलेंजर गर्त' कहलाता है।

कुरील गर्त: यह उत्तरी प्रशांत महासागर में स्थित सबसे गहरी खाइयों में से एक है और यह अधिक भूकंप के लिए जाना जाता है।

टोंगा गर्त: दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित, यह संसार में सबसे अधिक ढलान वाला महासागरी गर्त है।

कैप कैनावेरल: इसे केप केनेडी भी कहा जाता है और यह फ्लोरिडा के पूर्वी तट पर स्थित है। यह मानव अंतरिक्ष यानों के लिए प्रमुख प्रक्षेपण क्षेत्र है।

ड्रेक जलमार्ग: यह दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी छोर और अंटार्कटिका महाद्वीप को अलग करता है। यह तेज हवाओं वाले मौसम की विशेषता रखता है जो समुद्री यात्रा को मुश्किल बनाता है।

मैगलन जलडमरूमध्य: अटलांटिक और प्रशांत महासागर दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी क्षेत्र में इस जलडमरूमध्य से जुड़ते हैं।

मोज़ाम्बिक चैनल: यह हिंद महासागर का एक भाग है जो अफ्रीका के पूर्वी क्षेत्र को मेडागास्कर द्वीप से अलग करता है।

बाब-अल-मंदाब: यह जलडमरूमध्य लाल सागर को अरब सागर के साथ जोड़ता है और यह यमन से अफ्रीका के जिबूती को अलग करता है।

हॉर्मज़ जलडमरूमध्य: यह जलडमरूमध्य रणनीतिक समुद्री मार्ग है क्योंकि यह पश्चिमी एशिया के तेल समृद्ध राष्ट्रों तक पहुंचने का मार्ग है। यह ईरान को ओमान से अलग करता है और अरब सागर एवं फारस की खाड़ी को जोड़ता है।

बोस्पोरस जलडमरूमध्य: काला सागर और भूमध्य सागर इस जलडमरूमध्य से जुड़े हुए थे।

इंग्लिश चैनल: यह चैनल दक्षिणपूर्व इंग्लैंड को फ्रांस से अलग करता है।

डेनमार्क जलडमरूमध्य: डेनमार्क का जलडमरूमध्य उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है और ग्रीनलैंड को आइसलैंड से अलग करता है। यह पश्चिम पवन बहाव (खाड़ी जलडमरूमध्य) से प्रभावित है और यहां जल हमेशा हिमांक से ऊपर है।

मलाका जलडमरूमध्य: मलक्का जलडमरूमध्य मलेशिया और सुमात्रा द्वीपों के बीच स्थित रणनीतिक जल मार्ग है। यह सबसे व्यस्ततम समुद्री मार्गों में से एक है जो हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर को जोड़ता है।

बास जलडमरूमध्य: यह जलडमरूमध्य एक व्यस्ततम नौ-परिवहन मार्ग है जो तस्मानिया द्वीप और ऑस्ट्रेलिया को अलग करता है।

BYJU'S EXAM PREP